



Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 09 नवंबर, 2021

वशिव रेडियोग्राफी दविस

'एक्स-रे' अथवा 'एक्स-रेडिएशन' की खोज के उपलक्ष्य में प्रतविरष 08 नवंबर को 'वशिव रेडियोग्राफी दविस' मनाया जाता है। गौरतलब है कि 8 नवंबर, 1895 को जर्मन वैज्ञानिक 'वलिहेम कॉनराड रॉन्टगन' द्वारा 'एक्स-रे' प्रणाली की खोज की गई थी। उनकी इस खोज के लिये उन्हें वर्ष 1901 में फज़िकिस में पहले नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। इस दविस के आयोजन का उद्देश्य रेडियोग्राफिक इमेजिंग और थेरेपी के बारे में जन जागरूकता बढ़ाना है, जो कि भौजुद चकित्सा पद्धति में रोगियों के नदिन एवं उपचार में महत्त्वपूर्ण भूमिका नभिता है। पहला वशिव रेडियोग्राफी दविस वर्ष 2012 में मनाया गया था। इस दविस के आयोजन से पूर्व 10 फरवरी को वलिहेम रॉन्टगन की पुण्यतिथि को चहिनति करने हेतु 'यूरोपीय रेडियोलॉजी दविस' का आयोजन किया जाता था।

उत्तराखंड स्थापना दविस

09 नवंबर, 2021 को उत्तराखंड का 21वाँ स्थापना दविस मनाया गया। उत्तराखंड का गठन 9 नवंबर, 2000 को भारत के 27वें राज्य के रूप में किया गया था। वर्तमान उत्तराखंड राज्य पहले आगरा और अवध संयुक्त प्रांत का हिस्सा था। यह प्रांत वर्ष 1902 में अस्तित्व में आया था और बाद में वर्ष 1935 में इसे संक्षेप में केवल संयुक्त प्रांत कहा जाने लगा। जनवरी 1950 में संयुक्त प्रांत का नाम 'उत्तर प्रदेश' रखा गया और वर्ष 2000 में उत्तर प्रदेश के उत्तरी हिस्से को अलग करके उत्तराखंड बनाया गया। हिमालय की तलहटी में स्थिति उत्तराखंड राज्य की अंतरराष्ट्रीय सीमाएँ उत्तर में चीन (तिबत) और पूर्व में नेपाल से मिलती हैं। इसके उत्तर-पश्चिम में हिमाचल प्रदेश और दक्षिण में उत्तर प्रदेश है। यह प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध राज्य है। उत्तराखंड की 90 प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है। उत्तराखंड में कुल 13 जिले हैं और देहरादून यहाँ की राजधानी है। यहाँ मुख्य तौर पर हिंदी और अंग्रेज़ी भाषा का प्रयोग किया जाता है, जबकि गढ़वाली और कुमाऊँनी यहाँ की स्थानीय बोलियाँ हैं।

राष्ट्रीय वधिक सेवा दविस

प्रत्येक वर्ष 9 नवंबर को राष्ट्रीय वधिक सेवा दविस (National Legal Services Day-NLSD) मनाया जाता है। इस दविस के आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोगों में कानूनी जागरूकता फैलाना, समाज के गरीब एवं कमज़ोर वर्गों को मुफ्त कानूनी सहायता एवं सलाह प्रदान करना है, ताकि सभी के लिये न्याय सुनिश्चित किया जा सके। राष्ट्रीय वधिक सेवा दविस (NLSD) की शुरुआत पहली बार वर्ष 1995 में भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा समाज के गरीब एवं कमज़ोर वर्गों को सहायता एवं समर्थन प्रदान करने के लिये की गई थी। भारतीय संसद द्वारा [भारतीय वधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम](#), 1987 को 9 नवंबर, 1995 को लागू किया गया। इसलिये 9 नवंबर को 'राष्ट्रीय वधिक सेवा दविस' के रूप में चहिनति किया गया है। 'नालसा' का गठन समाज के कमज़ोर वर्गों को निःशुल्क कानूनी सेवाएँ प्रदान करने और विवादों के सौहार्दपूर्ण समाधान के लिये लोक अदालतों का आयोजन करने के उद्देश्य से किया गया है। भारत का मुख्य न्यायाधीश 'नालसा' का मुख्य संरक्षक होता है और भारत के सर्वोच्च न्यायालय का द्वितीय वरिष्ठ न्यायाधीश प्राधिकरण का कार्यकारी अध्यक्ष होता है।

श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर की शिल्प और कला को व्यापक मान्यता मिलने के साथ ही श्रीनगर, शिल्प और लोक कला श्रेणी के अंतर्गत यूनेस्को क्रिएटिवि सटीज़ नेटवर्क 2021 में शामिल हो गया है। इस नेटवर्क में अब 90 देशों के 295 शहर शामिल हैं। यूनेस्को के रचनात्मक शहरों के नेटवर्क को वर्ष 2004 में उन शहरों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिये बनाया गया था, जिन्होंने रचनात्मकता को सतत शहरी विकास हेतु एक रणनीतिक कारक के रूप में पहचाना है। इसका उद्देश्य अभिनव सोच और कार्रवाई के माध्यम से [सतत विकास लक्ष्यों](#) (SDGs) को प्राप्त करना है। इसमें संगीत, कला, लोकशिल्प, डिज़ाइन, सनिमा, साहित्य तथा डिजिटल कला और पाक कला जैसे सात रचनात्मक क्षेत्र शामिल हैं। यह नेटवर्क उन शहरों को एक साथ लाता है जिन्होंने अपनी रचनात्मकता के आधार पर विकास किया है।

